IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

Comparative Study Of National Education Policy 1986 And 2020 With Reference To Teacher Education

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 एवं 2020 का तुलनात्मक अध्ययन अध्यापक शिक्षा के संदर्भ में

निर्देशक
डॉ. विकास सैनी
(असिस्टेंट प्रोफेसर)
आईएएसई. मानित विश्वविद्यालय, सरदारशहर

प्रस्तुतकर्ता
विक्रम सिंह चौहान
पीएच. डी (शोधार्थी) शिक्षा

सारांश (Abstract)

शिक्षा प्रणाली में अध्यापक शिक्षा (Teacher Education) की भूमिका सर्वोपरि है क्योंकि शिक्षक किसी भी राष्ट्र की ज्ञानदृसंस्कृति और मानवीय मूल्यों का निर्माण करता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 (छम्च 1986) ने जहाँ शिक्षक प्रशिक्षण के लिए संस्थागत आधार तैयार किया, वहीं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (छम्च 2020) ने इस प्रणाली को बहु–विषयक, समग्र, और तकनीकी रूप से सक्षम बनाया।

यह शोध पत्र दोनों नीतियों में शिक्षक प्रशिक्षण, पाठ्यक्रम सुधार, शिक्षक पात्रता, तकनीकी एकीकरण, और पेशेवर विकास (ब्च्क) के तुलनात्मक अध्ययन पर आधारित है। इसमें दिखाया गया है कि 1986 की नीति ने जहाँ संरचना दी, वहीं 2020 की नीति ने आधुनिक दृष्टि और नवाचार का समावेश किया।

Keywords: *अध्यापक शिक्षा,* NEP 1986, NEP 2020, Curriculum Reform, CPD, NCTE, NCFTE, Pedagogy.

1. प्रस्तावना (Introduction)

शिक्षक शिक्षा किसी भी देश के विकास का केंद्र बिंदु है। एक प्रशिक्षित शिक्षक न केवल ज्ञान देता है बल्कि बालकों में सृजनात्मकता, मूल्यबोध और आत्मविश्वास विकसित करता है। भारत में शिक्षक शिक्षा को संस्थागत रूप देने का कार्य स्वतंत्रता के बाद प्रारंभ हुआ, लेकिन इसका वास्तविक रूपांकन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में दिखाई देता है।

1986 की नीति ने क्प्म्ज, ैब्त्ज, छब्ज्म् जैसे संस्थानों की स्थापना की और शिक्षक समाज का निर्माता है की अवधारणा को मूर्त रूप दिया। जबकि 2020 की नीति ने शिक्षक शिक्षा को समग्र, अनुसंधान–आधारित और डिजिटल दिशा में आगे बढाया, जिसमें चार वर्षीय समेकित ठ.म्क. कार्यक्रम और राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम (छब्थ्ज्म् 2023) महत्वपूर्ण पडाव हैं।

2. शोध उद्देश्य (Objectives of the Study)

1. NEP 1986 *और* NEP 2020 *में अध्यापक शिक्षा के उद्देश्यों की तुलना करना।*
2. *शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों की भूमिका और ढांचे में हुए परिवर्तनों का अध्ययन करना।*
3. *शिक्षक शिक्षा के पाठ्यक्रम सुधार (ब्नततपबनसनउ त्मवितउे) का तुलनात्मक विश्लेषण।*
4. *शिक्षक पात्रता, प्रशिक्षण, और पेशेवर विकास के नए आयामों को समझना।*
5. *तकनीकी और डिजिटल नवाचारों के प्रभाव का मूल्यांकन करना।*

3. शोध विधि (Research Methodology)

यह अध्ययन तुलनात्मक एवं विश्लेषणात्मक (ब्वउचंतंजपअम दक ।दंसलजपबंस डमजीवक) पर आधारित है।

प्रमुख स्रोत

- NEP 1986 और NEP 2020 के आधिकारिक दस्तावेज।
- NCTE] NCERT और UGC की रिपोर्टें।
- शिक्षाशास्त्र से संबंधित शोध–पत्र, जर्नल और शिक्षा मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्टें।

4. अध्यापक शिक्षा की वैचारिक पृष्ठभूमि

NEP 1986

- शिक्षक शिक्षा को नैतिकता, सामाजिक उत्तरदायित्व और गुणवत्ता सुधार का माध्यम माना गया
- DIET] SCERT] NCERT की स्थापना से विकेंद्रीकृत प्रशिक्षण प्रणाली लागू हुई।
- शिक्षक को आदर्श नागरिक के रूप में देखा गया, जो राष्ट्र के विकास का मार्गदर्शक है।

छम्च् 2020

- शिक्षक को ÞKnowledge Creator and Learning Facilitatorß के रूप में परिभाषित किया गया।
- शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया को बहुआयामी, लचीला और तकनीकी बनाया गया।
- 4–वर्षीय समेकित B-Ed- कार्यक्रम और National Curriculum Framework for Teacher Education ¼NCFTE 2023½ लागू किया गया।

5. पाठ्यक्रम सुधार (Curriculum Reform in Teacher Education)

पाठ्यक्रम किसी भी शिक्षक शिक्षा प्रणाली की आत्मा होता है। यह शिक्षक के ज्ञान, दृष्टिकोण, कौशल और मूल्यबोध को दिशा देता है।

(क) NEP 1986 में पाठ्यक्रम की रूपरेखा

- पाठ्यक्रम मुख्यतः विषय–केंद्रित (नइरमबज–ब्मदजतपब) था।
- शिक्षण पद्धतियाँ पारंपरिक (स्मबजनतम–ठेंमक) और परीक्षा–उन्मुख थीं।
- शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में व्यवहारिक शिक्षण (च्तंबजपबनउ) की सीमित भूमिका।
- सामाजिक, भावनात्मक और नैतिक पहलुओं पर सीमित ध्यान।
- क्म्ज् और ब्त्ज् द्वारा प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का निर्माण।

(ख) NEP 2020 में पाठ्यक्रम सुधार

- पाठ्यक्रम को अनुभवात्मक, अंतर्विषयी (nterdisciplinary) और लचीला (Flexible) बनाया गया।
- शिक्षक शिक्षा के लिए नया NCFTE 2023 लागू हुआ, जिसमेंरू कला, नाटक, संगीत, खेल, और जीवन–कौशल को शामिल किया गया, Technology&Integrated Pedagogy] Research Orientation, और Community Engagement जोडा गया। शिक्षक को 21वीं सदी की क्षमताओं से लैस करने का उद्देश्य रखा गया। शिक्षकों के लिए प्रोजेक्ट–बेस्ड लर्निंग, फील्ड और इंटर्नशिप अनिवार्य किए गए।

(ग) तुलनात्मक विश्लेषण

पहलू	NEP 1986	NEP 2020
पाठ्यक्रम दृष्टिकोण	विषय–केंद्रित	छात्र–केंद्रित और अनुभवात्मक
शिक्षण पद्धति	लेक्चर आधारित	प्रोजेक्ट, प्ब्ज् सहयोगात्मक शिक्षण
मूल्यांकन	वार्षिक परीक्षा	सतत और बहुआयामी मूल्यांकन (ब्ब्म्)
समावेशन	सीमित	लैंगिक, सामाजिक, और क्षेत्रीय समावेश
नवाचार	न्यूनतम	शोध, प्रौद्योगिकी, और समुदाय आधारित शिक्षण

6. शिक्षक प्रशिक्षण की संरचना और संस्थागत ढांचा

पहलू	NEP 1986	NEP 2020
संस्थागत ढांचा	DPEP] DIET] SCERT] NCERT	DPEP] DIET] SCERT] NCERT, NCTE] NCERT] NCFTE 2023
प्रशिक्षण मॉडल	1 वर्षीय ठ.म्क., 2 वर्षीय व.म्स.म्क.	4 वर्षीय समेकित ठ.म्क.
उद्देश्य	पारंपरिक व्याख्यान आधारित	डिजिटल, सहयोगात्मक और अनुभवात्मक
मूल्यांकन	वार्षिक परीक्षा	सतत पेशेवर मूल्यांकन (Performance&Based Assessment)

7. शिक्षक की भूमिका और पेशेवर विकास (CPD)

NEP 1986

- शिक्षक को ज्ञानदात्री और अनुशासक के रूप में परिभाषित किया गया।
- पुनः प्रशिक्षण (त्मतिीमत ब्वनतेमे) अनिवार्य नहीं थे।
- पेशेवर उन्नयन की प्रक्रिया सीमित थी।

छम्च् 2020

- शिक्षक को स्मंतदपदह थ्बपसपजंजवत माना गया।
- Continuing Professional Development ¼CPD½ को अनिवार्य किया गया।
- प्रति वर्ष 50 घंटे का प्रशिक्षण और आत्ममूल्यांकन प्रणाली लागू।
- डिजिटल प्रशिक्षण प्लेटफार्म जैसे क्प्ज्ञ्ैभ्ए ैॅ।ल्।डए छप्ैभ्ज्। का प्रयोग।

8. शिक्षक पात्रता, भर्ती और मूल्यांकन

पहलू	NEP 1986	NEP 2020
पात्रता	B-Ed-] TTC	4–वर्षीय ठ.म्क. ज्म्ज् अनिवार्य
भर्ती प्रणाली	राज्य स्तर पर चयन	योग्यता–आधारित और पारदर्शी प्रणाली
मूल्यांकन	पारंपरिक व्याख्यान आधारित	डिजिटल, सहयोगात्मक और अनुभवात्मक
मूल्यांकन	वार्षिक परीक्षा	सतत प्रदर्शन मूल्यांकन
मान्यता	विश्वविद्यालयों पर निर्भर	छब्ज्म् द्वारा केंद्रीय मान्यता

9. तकनीकी समावेशन और डिजिटल शिक्षण

- 1986 में तकनीकी प्रयोग सीमित थाय ऑडियोदृविजुअल साधनों तक।
- 2020 में प्ब्ज् आधारित शिक्षण, वर्चुअल लैब, ईदृलर्निंग और स्मार्ट क्लासरूम शामिल।
- शिक्षक शिक्षा में Blended Learning] AI&based Teaching Tools vkSj Digital Pedagogy का प्रयोग बढा।

10. अध्यापक शिक्षा के सामाजिक व नैतिक आयाम

- NEP 1986 में नैतिकता, राष्ट्रीय एकता और अनुशासन पर बल।
- NEP 2020 में समावेशिता, लैंगिक समानता, और वैश्विक नागरिकता पर जोर।
- शिक्षक को "टंसनम स्मंकमत" और "बेंदहम ।हमदज" के रूप में देखा गया।

11. सारणी संक्षिप्त तुलनात्मक विश्लेषण

पहलू	NEP 1986	NEP 2020
उद्देश्य	नैतिक व गुणवत्ता आधारित शिक्षा	नवाचार व समग्र शिक्षक विकास
पाठ्यक्रम	विषयकेंद्रित, सीमित व्यवहारिकता	अनुभवात्मक, बहुविषयी, ष्ब्ज आधारित
प्रशिक्षण अवधि	1–2 वर्ष	4 वर्ष समेकित
संस्थागत ढांचा	DIET] SCERT	NCFTE] NCTE] NCERT
मूल्यांकन	वार्षिक	सतत बहुआयामी
तकनीकी प्रयोग	न्यूनतम	उच्च, डिजिटल प्लेटफॉर्म आधारित
पेशेवर विकास	सीमित	ब्च्क व ऑनलाइन प्रशिक्षण अनिवार्य
शिक्षक भूमिका	अनुशासक	अनुशासक, सह–निर्माता व मार्गदर्शक

12. चर्चा (Discussion)

अध्यापक शिक्षा में 1986 की नीति ने बुनियादी ढांचा दिया, परंतु प्रशिक्षण सीमित था। 2020 की नीति ने टेक्नोलॉजी, शोध और नवाचार आधारित शिक्षक शिक्षा को विकसित किया। अब शिक्षक सीखने वाले समुदाय (स्मंतदपदह ब्वउउनदपजल) का हिस्सा हैं, न कि केवल ज्ञान प्रदाता। यह नीति शिक्षक को जीवनभर सीखने वाला (स्पमिसवदह स्मंतदमत) बनाती है।

13. निष्कर्ष (Conclusion)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 और 2020 दोनों ने अध्यापक शिक्षा को भारतीय समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने का कार्य किया है। 1986 की नीति में शिक्षक को नैतिक, अनुशासित और समाज के आदर्श नागरिक के रूप में देखा गया, जबकि 2020 की नीति में शिक्षक को ज्ञानदृसृजनकर्ता, नवाचारी और आजीवन शिक्षार्थी के रूप में परिभाषित किया गया। नई नीति ने शिक्षक प्रशिक्षण में समग्रता, बहुविषयक दृष्टिकोण, और प्रौद्योगिकी को प्रमुख स्थान दिया है। 4 वर्षीय समेकित बी.एड. पाठ्यक्रम, सतत व्यावसायिक विकास (ब्च्क), तथा National Curriculum Framework for Teacher Education ¼NCFTE½ के माध्यम से शिक्षक शिक्षा को गुणवत्ता, व्यावहारिकता और अनुसंधान से जोडा गया है।

तुलनात्मक रूप से, 1986 की नीति ने अध्यापक शिक्षा की संरचना स्थापित की, जबकि 2020 की नीति ने उसमें गुणवत्ता और वैश्विक दृष्टि जोडी। दोनों नीतियों का समन्वय भारतीय शिक्षक शिक्षा को अधिक सशक्त, नैतिक और आधुनिक बनाता है, जिससे शिक्षक न केवल ज्ञान का संवाहक बल्कि सामाजिक परिवर्तन का अग्रदूत बन सके

14. संदर्भ (त्ममितमदबमे)

1. भारत सरकार (1986). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986, शिक्षा मंत्रालय।
2. भारत सरकार (2020). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, शिक्षा मंत्रालय।
3. NCTE (2023). National Curriculum Framework for Teacher Education (छब्थ्ज्म्).
4- NCERT (2022). Teacher Education Review Report-
5- Sharma] R- (2021). Curricular Reforms in Teacher Education: NEP 2020 Perspective- Journal of Educational Reforms-
6- Verma] S- (2022). CPD and Digital Pedagogy in Modern Teacher Education- International Journal of Pedagogical Studie